महीने में 376 डाउन दिल्ली-इलाहाबाद सवारी गाड़ी के विलम्ब से चलने के कारण दिल्ली-चन्दौसी सीधा जाने वाला सवारी डिब्बा 113 बार मेल लेने वाली 2 सी० एम० मुरादाबाद-चन्दौसी सवारी गाड़ी में नहीं लगाया जा सका। 376 डाउन सवारी गाड़ी के विलम्ब से चलने का मुख्य कारण गाजियाबाद-मुरादाबाद खण्ड पर अनधिकृत रूप से खतरे की जंजीरों का खींचा जाना और तांबे के तारों की चोरी के कारण संचार व्यवस्था में बारम्बार खराबी पैदा होना है।

सीधे जाने वाले सवारी डिब्बे का 2 सी० एम० गाड़ी से मेल न होने के कारण मुरादाबाद में जो यात्री रेल यात्रा समाप्त करना चाहें, वे अपना टिकट लौटाकर किराये की वापसी की मांग कर सकते हैं।

376 डाउन सवारी गाड़ी और अन्य गाड़ियों को ठीक समय पर चलाने के लिए सभी संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

रामपुर होती हुई मुरादाबाद से बरेली को जाने वाली रेल गाड़ियां

2484. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 7 बजे म० पू० और 7 बजे म० प० के बीच रामपुर होती हुई मुरादाबाद से बरेली को दो डाक गाड़ियां, दो एक्सप्रैस गाड़ियां, एक दिन छोड़कर चलने वाली दो एक्सप्रैस गाड़ियां तथा एक यात्री गाड़ी जाती है;

(ख) क्या इनमें से कोई गाड़ी अथवा गाड़ियों को चन्दौसी होती हुई चलाने का कोई सुझाव प्राप्त हुआ है;

(ग) क्या यह सच है कि जो गाड़ी रामपुर होती हुई मुरादाबाद से बरेली जाती है वह केवल रामपुर स्टेशन पर ही ठहरती है जबकि यदि वह चन्दौसी के रास्ते जाये तो यह गाड़ी बिलारी, आंवला तथा एक महत्वपूर्ण व्यापार केन्द्र चन्दौसी होकर जायेगी; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में कोई निर्णय न करने के क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) सुबेरे 7 बजे से रात 9 बजे के बीच रामपुर के रास्ते मुरादाबाद से एक डाक, एक एक्सप्रैस और दो सवारी गाड़ियां बरेली पहुंचती हैं।

(ख) जी हां।

(ग) और (घ). ऊपर जिन गाड़ियों का उल्लेख किया गया है, उनमें से 6 डाउन डाक गाड़ी केवल रामपुर स्टेशन पर ठहरती है। इस गाड़ी को चन्दौसी के रास्ते ले जाने से इसका यात्रा-समय काफी बढ़ जायेगा जो इस गाड़ी के उपयोगकर्ताओं को स्वीकार्य नहीं होगा। एक्सप्रैस गाड़ी (52 डाउन सियालदह एक्सप्रैस) मुरादाबाद और बरेली के बीच 5 स्टेशनों पर ठहरती है। अतः इस तेज गाड़ी को चन्दौसी के रास्ते ले जाना वांछनीय नहीं होगा। दो जोड़ी सवारी गाड़ियों के मार्ग को बदलना भी व्यावहारिक नहीं होगा क्योंकि इसके परिणाम-स्वरूप मुरादाबाद-बरेली खण्ड पर सारे दिन में-रुकने वाली केवल एक जोड़ी गाड़ियां रह जायेंगी और इससे इन गाड़ियों के वर्तमान उपयोगकर्ताओं को बहुत असुविधा होगी।

गोंडा जिले (पूर्वोत्तर रेलवे) के लिए "सी" ग्रेड के गार्डों के पद बनाना

2485. **श्री मोलहू प्रसाद** : क्या रेलवे मंत्री 3 दिसम्बर, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3158 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गोंडा जिले में पूर्वोत्तर रेलवे के जोनल कार्यालय में अनावश्यक रूप से ग्रेड "सी" के गार्डों के 19 पद बनाने के क्या कारण हैं; और

(ख) उक्त जोनल कार्यालय द्वारा मुख्यालय गोरखपुर से अनावश्यक अनुमति मांगने के क्या कारण हैं ?